कला दीर्घा
KALA DIRGHA

April 2016, Volume-16, No. 32

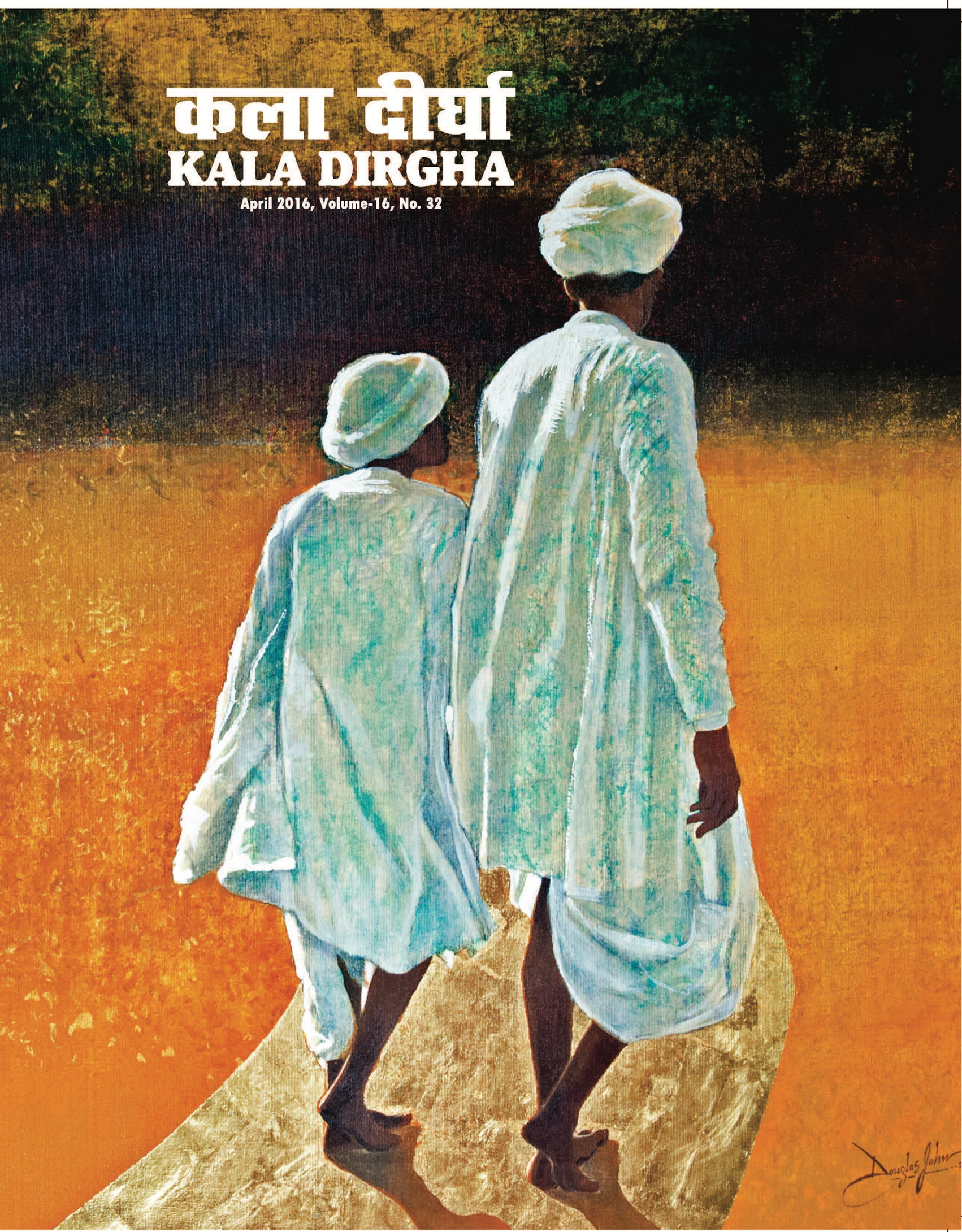

कला दीर्घा
KALA DIRGHA

दृश्य कला की अंतरदेशीय पत्रिका, अप्रैल 2016, वर्ष 16 अंक 32
International Journal of Visual Art, April 2016, Vol. 16, No. 32
Website : www.kaladirgha.com
ISSN : 0976 - 1500

रोबिन डेविड की कलाकृति
Sculpture of Robin David

आवरण-डगलस जॉन की कलाकृति
Cover - Painting of Douglas John

Publisher & Distributor
Anju Sinha
1/95, Vineet Khand, Gomti Nagar, Lucknow-206010 INDIA
- +91-522-2725942 Email : anju1965@yahoo.com
website : www.kaladirgha.com

Editor (Honorary)
Dr. Awadhesh Misra
C-361, Rajajipuram, Lucknow-226 017, INDIA
- +91-94150 22724 Email : misra.awadhesh@gmail.com
website : www.awadhesharts.com

Co-Editor
Dr. Leena Misra

Representative - Delhi
Hemraj

Representative - Mumbai
Douglas John

Representative - U.K.
Rakesh Mathur

Representative - U.S.
Smita Narayan

Representative - Korea
Song, In-Sang

The editor is not responsible for the published articles. For any legal dispute the matter will be in the jurisdiction of the Lucknow Courts. Reproduction in any form is prohibited.
Printed at Archana Advertising Pvt. Ltd., New Delhi

Price : ₹ **150/-, US $ 10; UK £ 6,** for institutions- ₹ **250/-** in India

कला दीर्घा
KALA DIRGHA

दृश्य कला की अंतरदेशीय पत्रिका, अप्रैल 2016, वर्ष 16 अंक 32
International Journal of Visual Art, April 2016, Vol. 16, No. 32
website : www.kaladirgha.com

डॉ. अवधेश मिश्र

04
सम्पादकीय –
कला का बेहतर कल

रविन्द्र दास

06
क्या आएँगे भारतीय कला बाज़ार के अच्छे दिन

निशान्त

13
कला ऐसी जिसमें अन्तर्मन दिखे

नीरज गोस्वामी

18
कला और कलाकार परस्पर पूरक

अवधेश अमन

22
सृजन का यथार्थ लोक

वेद प्रकाश भारद्वाज

29
परम्परा का नवोन्मेष

अशोक भौमिक

33
पिकासो की कला यात्रा का नीला पर्व

डॉ राजेश कुमार व्यास

39
सौंदर्य का शिल्प छन्द

डॉ लीना मिश्र

45
गतिविधियाँ –
नवीन रंगाकारों में अयोध्या

डॉ राजेश कुमार व्यास

48
पुस्तक दीर्घा –
कलाओं से जुड़े मर्म से साक्षात्

Dr. Ashrafi S. Bhagat

51
The Metaphoric Self In Abstraction

Pradosh Kumar Mishra

56
Analyzing the Paintings of Chandrashekhar Rao

Sanjuti Mukharjee
Chandirika Acharya

61
The Nemai Ghosh Photographic Archive

Neeta Om Prakash

66
Towards A Reality Beyond Appearances

Ratan Parimoo

69
Badam Wadi

Ravindra Mardia

73
Infinity In His Perception

Gautam Chaterjee

77
Klee and Matisse Parallel Our Varnika Bhang. . .

Dr. Manisha Patil

83
A Unique Exhibition ‘Rethinking the Regional’

कला का बेहतर कल

इधर समकालीन कला की प्रविधि, प्रवृत्तियों एवं परिवेश में अप्रत्याशित बदलाव आया है। डिजिटल मीडिया, जो लगभग दो दशक पहले कला जगत में दस्तक दे रही थी, अब पैर पसार चुकी है। केवल वीडियो आर्ट ही नहीं, कैनवस पर भी डिजिटल काम हो रहे हैं। अभी इस वर्ष के नेशनल आर्ट एक्ज़िबिशन सहित कई महत्त्वपूर्ण प्रदर्शनियों एवं गतिविधियों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ तो इसी तरह के प्रयोग बहुतायत में देखने को मिले। कहीं डिजिटल मैन्यूपुलेशन तो कहीं विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को चिपकाकर, जोड़कर टेक्स्चर तैयार करना, फॉर्म तैयार करना या कहीं कॉसेप्चुअल आर्ट के नाम पर शिल्पगत कमज़ोरी के साथ एक स्टोरी तैयार करना प्रमुख रहा। शिल्प और सौंदर्य से बहुत दूर केवल स्टेटमेंट का आग्रह, समकालीन कला-प्रयोगधर्मियों की पंक्ति में खड़े रहने का आग्रह। कलाकार की कलायात्रा, कलागत समझ और उल्लेखनीय कला अवदान, सब बेमानी ...। फोटोग्राफी और कम्प्यूटर के नए-नए सॉफ्टवेयर ने सबकुछ आसान कर दिया है। अब कलाकार को विधिवत/औपचारिक कला प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है। उसे सारी इमेजेज़ और आइडियाज़ इन्टरनेट पर उपलब्ध हो जाएँगे, छेनी या ब्रश स्ट्रोक को जानने और अभ्यास करने की आवश्यकता नहीं, इमेजेज़ का कट-पेस्ट और स्पेशल इफेक्ट . . .। दर्शक को भी चमत्कार का आभास । मूर्तिकला में भी रोजमर्रा में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं को तकनीकी सहयोग से आकार में बड़ा बनवा देना या अधिक संख्या में प्रदर्शित कर देना एक कलात्मक प्रदर्श के रूप में देखा जाने लगा है।

एक प्रयोग के स्तर पर तो यह सब ठीक है पर किसी व्यक्ति को इन्हीं कामों से पहचाना जाय या पुरस्कारों/समानों के माध्यम से इसे स्थापित किया जाने लगे तो यह बात सोचने की आवश्यकता है कि क्या यह एक मौलिक काम है या यह उस कलाकार की प्रतिनिधि कृति हो सकती है ? इसके प्रोत्साहन से कला प्रशिक्षण और कला

अवधेश मिश्र, संयोजन 3/2016, कैनवस पर एक्रेलिक, 90 x 90 से.मी.
Awadhesh Misra, Composition-03,2016, Acrylic on Canvas, 90 x 90 Cms.